एमसीएफ के चोर अफसरों के बिगाड़े काम को पुलिस कहां तक संभालेगी

फ़रीदाबाद (म.मो.) 15 सितम्बर को कुछ अखबारों में खबर प्रकाशित हुई थी कि एनएच दो नम्बर की पुलिस चौकी वालों ने 'पंचकुंइया रोड' के एक सिरे पर नाले के किनारे दीवार बनवा कर मानवीय काम किया है। इस संवाददाता ने भी उत्सुकतावश मौके पर जाकर उस दीवार का दीदार करना चाहा। लेकिन वहां दीवार नाम की कोई चीज़ नज़र नहीं आई। पूछताछ करने पर लोग़ों ने बताया कि नाले को आड़ देने के लिये जो डेढ फुट ऊंची और करीब 10 फ़ीट लंबी पुलिया नगर निगम के चोर अफ़सरों ने बनवाई थी वह धीरे-धीरे टूट कर गायब हो चुकी थी, उसी पुलिया को पुलिस वालों ने बनवाया था।

इस बाबत चौकी इन्चार्ज एसआई प्रकाश चंद से बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि क्या करें आये दिन, रात-बिरात कोई न कोई इस नाले में गिर कर दुर्घटनाग्रस्त होता था। इसलिये इन दुर्घटनाओं से लोग़ों को बचाने के लिये उन्होंने स्थानीय लोगों के सहयोग से यह पुलिया बनवा दी थी जिसे अखबारों ने दीवार का नाम दे दिया।

इसमें कोई दो राय नहीं कि एसआई प्रकाश चंद ने आम आने-जाने वालों को दुर्घटनाओं से बचाने के लिये सराहनीय कार्य किया है। जो दुर्घटना-स्थल स्थानीय पार्षद विधायक को नज़र नहीं आता वह उस पुलिस वाले को नज़र आया जिसका यह काम नहीं था। प्रकाश चंद ने बिना कोई एस्टीमेट टेंडर पास कराये वह काम कर डाला जिसके लिये नगर निगम ने हरामखोर अफ़सरों का लम्बा-चौड़ा अमला पाल रखा है। हज़ारों करोड़ का टैक्स वसूलने व स्मार्ट सिटी के नाम अलग से हजारों करोड़ की ग्रांट निगलने वालों से भी तो कोई पूछने वाला होना चाहिये।

यदि सरकार एवं कानून नाम की कोई चीज़ इस देश में हो तो पुलिस का काम पुलिया बनवाना, सड़कों के गड्ढे भरना, जल भराव में फ़ंसी गाड़ियों को निकालना पुलिस का काम नहीं है। पुलिस का काम है दोषियों के विरुद्ध आपराधिक मुकदमे दर्ज करना। नाले में या खुले मैन होल में कोई गिरता है, सड़क में गड्ढों से कोई मरता है या आवारा पशुओं के कारण कोई मरता है तो इसके लिये जिम्मेदार नगर निगम अथवा अन्य जो भी कोई महकमा हो, के विरुद्ध मुकदमा दर्ज होना चाहिये। लेकिन आज तक ऐसा एक भी मुकदमा यहां दर्ज नहीं हुआ; इसीलिये ये दुर्घटनायें बढती जा रही हैं। हां जिस दिन इन निकायों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज होने लगेंगे उसी दिन से दुर्घटनायें होनी बंद हो जायेंगी।

साढे छ: वर्ष पूर्व राजमार्ग के बाटा मोड़ पर मनोज वधवा के बच्चे पवित्र की दर्दनाक मौत व पत्नी अति गंभीर रूप से घायल हो गयी। पुलिस ने उस अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करके अपने कर्त्तव्य की इति श्री कर ली थी जिसके नीचे पवित्र कुचला गया था। पुलिस ने सड़क की देखभाल करने वाले उन सरकारी चोरों के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की थी जिनकी हरामखोरी के चलते सड़क पर गड्ढे बन गये थे और उनमें भरे पानी की वजह से मनोज के स्कूटर का संतुलन बिगड़ा और वे सब गिर गये तथा पीछे से आ रहे वाहन द्वारा कुचले गये।

मनोज ने जनहित में पुलिस की इस कार्यवाही के विरुद्ध हाई कोर्ट में केस दायर करके सड़क बनाने वालों को भी पार्टी बनाया था। लेकिन न्यायपालिका की कछुआ चाल से अभी तक मामला लम्बित है।

यह डबुआ मंडी से हार्डवेयर चौक को जाने वाली सड़क है। जिसमें गड्ढे ही नही, बल्कि गड्ढों में सड़क कहीं गुम है। साथ ही सर छोटूराम चौक पर पर बाई ओर नाले पर बनी पुलिया इतनी ख़तरनाक स्थिति में है कि वहाँ से गुजरने वाले वाहन और रिक्शा कई बार पुलिया के टूटे होने के कारण नाले में पलट जाते हैं।

पुलिस ने अपनी ओर से पुलिया पर एक ओर एक फुट ईंट का रद्दा ज़रूर बनवा दिया पर दूसरी ओर पुलिया पर गुजरने वाले यात्री अभी भी असुरक्षित ही हैं।

इतना ही नहीं, सर छोटूराम चौक से हार्डवेयर चौक की ओर आगे बढ़ते ही एक अन्य खुला नाला भी लोगों की मौत की दावत दे रहा है।

अपील

मजदूर मोर्चा के सहयोगी साथियों का धन्यवाद देते हुए मजदूर मोर्चा आपको सूचित करना चाहता है कि कोरोना और लॉकडाउन काल में एक तरफ जहाँ फरीदाबाद के लगभग सभी छोटे अखबार बंद हो गए थे। वहीं मजदूर मोर्चा आप सभी के सहयोग एवं पाठकों की मांग और उससे उपजे हौसले के कारण सफलतापूर्वक निष्पक्ष व निडर खबरें प्रकाशित करने में सफल रहा है।

जैसा कि आप जानते हैं पूरा भारत आज भयंकर आर्थिक बदहाली से जूझ रहा है जिससे मज़दूर मोर्चा भी बच नहीं पाया है। इसलिये मज़दूर मोर्चा को आप सभी से मदद की जरूरत है। कृपया अपना मासिक या एकमुश्त आर्थिक सहयोग निम्नलिखित खाते में भेजें ताकि अखबार नियमित निकलता रहे।

खाते में पैसा भेजने वालों से निवेदन है कि वे मजदूर मोर्चा को एसएमएस के जरिये सूचित भी कर दें।

नाम-मज़दूर मोर्चा

खाता संख्या-451102010004150

IFSC Code : UBIN0545112

Bank Name : Union Bank of India

Branch : Sector-7, Faridabad - 121006

जो विधायक कूड़ा न उठवा सके वो देश को विश्वगुरु बनने की बातें करे... शोभा नहीं देता

फ़रीदाबाद (म.मो.) सेक्टर 21बी विधायक सीमा त्रिखा का निवास स्थान है, पार्षद की खाल से बहार नहीं निकल पाने वाली त्रिखा के निवास स्थान में ही कूड़े का ढेर और आवारा पशुओं के गोबर में डूबा पूरा इलाका बदबूदार अवस्था में पड़ा है पर विधायक साहिबा को इसकी सुध लेने का होश नहीं।

ओल्ड फरीदाबाद अंडरपास के नजदीक स्थित वेटनरी अस्पताल के पीछे सेक्टर 21 बी के मकानों के सामने ही सात एकड़ खाली पड़ी जमीन है। जमीन में पिछले कई महीनों का जमा कूड़ा और गन्दगी भरी पड़ी है। सेक्टर में रहने वालों की दशा दूभर है और बरसात के मौसम में उनसे उपजने वाली बिमारियों का खतरा लगातार बना हुआ है। स्थानीय निवासी, वेटनरी अस्पताल के पीछे लगने वाली मंडी के बाहर फैलाने वाले कूड़े से परेशान हैं। मंडी में मछली और मुर्गे की दुकाने भी हैं जो काम समाप्त होने के बाद मांस के टुकड़े भी वहीँ छोड़ जाते हैं और मछली के पानी से निकलने वाली बदबू पूरी इलाके में फैल जाती है।

एमसीएफ के सफाई इंचार्ज एएसआई बलराम से बात करने पर उन्होंने बताया कि क्योंकि उस इलाके का एक हिस्सा फतेहपुर चंदीला गाँव की तरफ लगता है तो वह रहने वाले लोगों ने ही गन्दगी फैलाई है। एक बार बलराम अपने दस्ते और ट्राली के साथ सफाई करने गए तो इलाके के लोगों ने कचरा उठाने से मना कर दिया। खास तौर पर औरतों का जिक्र करते हुए बलराम ने बताया कि वह औरते लड़ाई करने पर उतारू हो जाती हैं। एएसआई बलराम की बात को इलाके के लोगों ने सिरे से नाकारा, अपनी ड्यूटी से पल्ला झाड़ते हुए बलराम ने कहा कि वहां का इलाका इंस्पेक्टर गजराज के मातहत है।

इंस्पेक्टर गजराज नागर से पुष्टि के लिए बात करने पर उन्होंने कहा कि वे रोज कचरा उठवाते हैं और उसकी रिपोर्ट भी कमिश्नर दफ्तर में पहुचाई जाती है। इसके अलवा असली ठेका तो इको ग्रीन कंपनी को दिया है जो सारे शहर का कचरा और साफ-सफाई की जिम्मेदार है। ऐसा कभी-कभी ही होता है कि कहीं से कूड़ा न उठाया जाता हो।

सेक्टर 21बी के मकानों के सामने लगा है कूड़े का ढेर

इन अधिकारियों के झूठ के पीछे सच्चाई यह है कि इलाके में फेंका हुआ कचरा 4 महीनो से भी अधिक का है और ऐसा कोई भी आदमी वहां नहीं है जो कचरे उठाने पर लाठी-डंडे लेकर लड़ने आ जाता हो। यदि इक्का दुक्का आदमी ऐसा है भी तो उसके खिलाफ विभाग ने कार्यवाही क्यों नहीं की ? मकान तोड़ने के नाम पर यही एमसीएफ पथराव के बीच भी घरों को जमींदोज कर आती है और सफाई करने के नाम पर दोषारोपण कर अपना पल्ला झाड़ती है। गजराज ने कहा कि इन सभी समस्याओं के प्रति उच्च अधिकारियों को सूचित किया जा चुका है।

बड़े से बरगद के पेड़ के नीचे जमा कचरे पर दर्जनों आवारा पशुओं का मलमूत्र और कीचड़ सना पड़ा है। सेक्टर के एक घर में भैंसों को घर के बहार बाड़ा बना कर पाला जा रहा है। जबकि फरीदाबाद प्रशासन के बनाये नए नवेले नियम के मुताबिक कोई भी भैस-गाय का गोबर नालियों या खुले में नहीं डालेगा और उसके निस्तारण की व्यवस्था भी खुद ही करेगा।

हालाकि इस आदेश का क्रियान्वयन कैसे होगा इसपर निगम ने कोई साफगोई नहीं दिखाई। इकोग्रीन के सुपरवाइजर पवन ने झूठ की सीमायें पार करते हुए बताया कि वह रोज कचरा उठाते हैं और आज गाड़ी पंक्चर होने के कारण नहीं उठा सके। साथ ही उन्होंने कहा कि खत्ता साफ करने की जिम्मेवारी इकोग्रीन की है जबकि कचरा कई एकड़ में फैला पड़ा है। यानी कि एमसीएफ एक कूड़ेदान लगा कर अपनी जिम्मेवारी पूरी मान बैठा है। कूड़ेदान से बाहर पड़े टनों कचरे को उठाने वाला कोई नहीं पर फेंकने वाले हजार है।।